Changing Nature of Economic Activities: Agriculture and Industry.

Agriculture and Industry

- कृषि एक प्रमुख प्राथमिक व्यवसाय है। वर्तमान विश्व में परम्परागत स्थानान्तरित कृषि से लेकर आधुनिक बागाती कृषि एवं व्यापारिक कृषि के सभी रूप देखने को मिलते हैं।

- जबकि उद्योग एक महत्वपूर्ण द्वितीयक व्यवसाय है जिसमें प्राथमिक व्यवसाय से प्राप्त कच्ची सामग्री का विनिर्माण करके उसकी कीमत एवं उपयोगिता दोनों को बढ़ाया जाता है।

- कृषि के पर्यावरण पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ें है, वहीं उद्योग तो पर्यावरण के अवनयन **(Degradation)** का सबसे प्रमुख कारण है।

- कृषि ग्रामीण परिवेश में अधिक होती है तो वहीं उद्योग नगरों में अधिक होते हैं। कृषि भू–दृश्य पर जहां प्राकृतिक कारकों का प्रभाव दिखाई देता है, वहीं औद्योगिक भू–दृश्य पर मानवीय कारकों का अधिक प्रभाव दिखाई देता है।

Changing nature of economic activities: Agriculture

- भोजन का स्रोत स्थाई हुआ और फिर उसने कृषि की तकनीकी का विकास करना शुरू किया जो आज तक जारी है।

- भूमि जोतने, फसल बोने, काटने, अनाज निकालने, भंडारण करने की उन्नत विधियों, सिंचाई के उन्नत साधन, कृत्रिम उर्वरक, उन्नत बीज, कीटनाशक दवाओं, बढ़ता मशीनीकरण आदि के कारण उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई है।

- अतः कृषि एक लाभदायक पेशा बन गयी। वर्तमान की बागाती एवं व्यापारिक कृषि इसका उदाहरण है।

Changing nature of economic activities: Agriculture

- वर्तमान में वैज्ञानिक कृषि का विकास हुआ है। जापान, यूएसए, रूस, जर्मनी जैसे देशों में विभिन्न फसलों की जलवायु, मिट्टी, जल उपलब्धता आदि के आधार पर कई नवीन किस्में तैयार की गई है। आवश्यकतानुसार किसी भी फसल की किस्म तैयार कर ली जाती है, जो कम समय में ही पक जाती है।

- अर्थात् वर्तमान की कृषि में प्रयोगशालाओं में उन्नत बीजों को तैयार किया जाता है। उपर्युक्त कार्य प्राचीन काल में नहीं होते थे।

- अतः स्पष्ट है कि कृषि की प्रकृति में निरन्तर बदलाव आ रहे हैं। इस प्रकार कृषि का जो स्वरूप प्राचीन काल में था वह वर्तमान में पूर्णतः बदल गया है। इस बदलाव को हम निम्नलिखित बिन्दुओं में समझ सकते हैं–

Changing nature of economic activities: Agriculture

- उन्नत किस्म के बीजों का विकास एवं प्रयोग
- कृषि उद्देश्य में परिवर्तन–जीवन निर्वाह व्यापार
- खादों के प्रयोग में परिवर्तन
- मशीनों एवं उन्नत उपकरणों में परिवर्तन
- कीटनाशकों के प्रयोग में परिवर्तन–राख, गोबर से रासायनिक खाद, जैविक खाद
- सिंचाई के साधनों का विस्तार–नलकूप, मोटर, वाटरपंप, नहर, बांध, फव्वारा, बूंद–बूंद
- बागाती एवं व्यापारिक कृषि का विकास
- व्यापार में परिवर्तन–स्थानीय, अब अर्न्तराष्ट्रीय
- स्थायी कृषि का विकास
- गहन कृषि का विकास–जनसंख्या बढ़ने के कारण

Changing nature of economic activities: Industry

- उद्योग शब्द अंग्रेजी में **Industry** शब्द का समानार्थी है जिसका अर्थ है 'कच्चे माल से वस्तुओं का निर्माण करना'।
- उद्योग वह आर्थिक कार्य जिसमें उपयोगी वस्तुओं अथवा सेवाओं का जन्म होता है। प्रत्येक उद्योग श्रम की दक्षता पर आधारित होता है।
- प्राचीन काल में उद्योग का नहीं थे। मानव प्रकृति की गोद में अपनी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति कर लेता था। लेकिन जैसे–जैसे मानव की आवश्यकताएं और तकनीकी ज्ञान बढ़ता गया वैसे–वैसे उद्योग भी पनपते गए।
- वास्तव में विज्ञान एवं तकनीकी के योगदान से ही औद्योगिक क्रांति हुई। नये उद्योग विकसित हुए तथा औद्योगिक प्रक्रिया अत्यधिक जटिल होती गई।

Changing nature of economic activities: Industry

- उन्नत तकनीकी एवं मशीनरी के प्रयोग में परिवर्तन
- मानवीय श्रम के उपयोग मे परिवर्तन
- कच्चे माल की अधिक उपलब्धता
- विकासशील एवं अविकसित देशों में उद्योगो का विकास
- उपभोक्ता सामग्री के उद्योगों का विकास
- वस्तुओं के विकल्पों में वृद्धि–एक वस्तु के कई ब्रांड
- कच्ची सामग्री के विकल्पों की वृद्धि–लकड़ी, धातु, प्लास्टिक
- बड़े पैमाने पर उत्पादन एवं आयात–निर्यात में वृद्धि
- कम कीमत पर अच्छी गुणवत्ता की वस्तुएं देने की प्रतियोगिता
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विकास

निष्कर्ष

- उपर्युक्त विवेचन से कहा जा सकता है कि कृषि एवं उद्योग जो अपने प्रारंभिक काल से वर्तमान में पूर्णतः बदल चुके है। पहले ये मुख्यतः प्राकृतिक दशाओं पर आधारित थे जो वर्तमान में मानव की तकनीकी एवं मशीनरी पर आधारित हो चुके हैं।